7.1.24

"रास्ते में मिली एक लड़की"

गुजरात में अमन नामक एक लड़का रहता था। वो ~~बीस~~ दस साल का था। उसका घर में उनका माँ और पिताजी था। उसको दूसरे लोगों को मदद करना पसंद था। एक दिन जब वह सड़क पार कर ~~रहे थे~~ रहा था, वह एक बिल्ली को देखा। ~~वे~~ इस तरह कि साधारण नज़रें देखकर अमन बहुत खुश होता था।

अमन पढ़ाई में बहुत पीछे था। फिर भी वह अच्छी तरह से खेलता था। पढ़ाई में पीछे होने के कारण उसका माँ-बाप और उसका अध्यापकों भी उसे डाँटता था। अमन को पढ़ाई करने केलिए इच्छा है, पर फिर भी उससे नहीं हो पा रहा ~~है~~ था।

उस दिन शाम जब अमन एक बेंच पर बैठ रहा था, एक लड़की उस रास्ते से जा रही थी। अमन को देखकर वह लड़की अमन के पास आया। "तुम उदास क्यों हो?" उस लड़की ने पूछा। "क्या बालू दीदी, मैं पढ़ाई में बहुत पीछे हूँ। इस कारण से सब लोग मुझे डाँट रहे हैं। अध्यापक मुझे झाँपड़ मार रहे हैं और जब मैं गलत जवाब बोलती हूँ, वे मेरा किताब फेंक देते हैं और मुझे जाकर अपने जगह पर बैठने के लिए बताते हैं। "मेरा बात कोई भी सुन नहीं रहा है।" यह कहकर अमन को सह न पाया। वे रो पड़ा।

उस लड़की को समझ आयी कि अमन को पढ़ने के का इच्छा है, पर कोई उसका साथ नहीं दे रहा है। उस लड़की ने कहा "तुम हिम्मत मत हारना, मैं हूँ तुम्हारा साथ। आज से तुम्हारा पढ़ाई में मैं तुम्हें मदद करूँगी। "सचमुच?" अमन ने पूछा। "हाँ बिल्कुल।" उस लड़की ने कहा। यह

सुनकर अमन बहुत खुश हुआ। "कल शाम पाँच बजे मैं यहाँ तुम्हारा इंतज़ार करूँगी, ठीक?" लड़की ने अमन से पूछा। "हाँ दीदी, मुझे नहीं पता कि आप कौन हैं, कहाँ से हैं, पर मैं कल ज़रूर आऊँगा"। उसके बाद उन दोनों आपस में अलविदा कहकर अपने-अपने रास्ते की तरफ चल पड़ा।

कल स्कूल के बाद अमन घर गया, नहाया और उसके बाद किताब लेकर मैदान की तरफ दौड़ पड़ा। वह लड़की वहाँ अमन की इंतज़ार कर रही थी। अमन वहाँ पहुँचा और वो लड़की उसे सिखाना शुरू किया।

हर शाम स्कूल के बाद अमन मैदान में पढ़ाई करने के लिए जाता था। अमन का हाथों में किताबें देखकर माँ-बाप हैरान हो गया। और अब अमन का मन में भी एक विश्वास आया कि अगर कोशिश करें तो, नामुमकिन चीज़े नहीं

इस दुनिया में नहीं होगा।

कुछ दिनों के बाद अमन ~~के~~ का स्कूल में परीक्षा शुरू हो गया। उन दिनों में अमन सुबह चार बजे उठकर, नहाकर, मंदिर में ~~जाकर~~ जाता ~~है~~ था, और वापस आने के बाद पाँच बजे पढ़ाई करना शुरू करना ~~है~~ था। आठ बजे वो घर से निकलता है और स्कूल तक पैदल चलता है। जब उसे सवाल मिलता है तो ~~उसका~~ वो मुस्कुराने लगता है।

सभी परीक्षाएं खतम होने के बाद अमन को उत्तर की कागजें मिली। वह देखकर अमन हैरान हो गया। बहुत अच्छा स्कोर था। इसका सभी विषयों में ~~ब~~ उसे ~~A~~ अच्छा स्कोर था। उसने जल्दी ~~जाकर~~ घर जाकर माँ-बाप को दिखाया। उनको नहीं पता था कि वे क्या बोलू। घर से अमन निकल पड़ा। उसे पता था कि उसका विजय का कारण वह वो लड़की है जिसने अमन को सिखाया।

अमन को उस लड़की का घर पता था पर जब वो वहाँ पहुँचा, वहाँ कोई नहीं था। उसने पड़ोसवालों से पूछा "अरे भैया, इस घर का मालिक कहाँ गया है?" "वहाँ का मालिक कल ~~कहाँ~~ गया बेटा, स्थान था किस जगह वो गया, इसके बारे में मुझे नहीं पता है, पर उन्होंने कहा कि वो वापस नहीं आएँगी।" अमन का दिल टुकड़ा-टुकड़ा हो गया। "मैं आपको कभी नहीं भूलूँगा, कभी नहीं"। अमन ऐसा बोलकर वहाँ से चला गया।

उसके बाद अमन दसवीं कक्षा, एक अच्छा स्कोर से पास हो गया। इसके बाद वो सयन्स ग्रूप लिया। वो बहुत मेहनत करके पढ़ना शुरु किया और अंत में मेडिकल परीक्षा में भारत में ~~सब~~ पहला नंबर आया। अब उनका माता-पिता अमन से बहुत खुश है, बहुत। उसको एक मशहूर असपताल में काम मिला। सब चीज़े अच्छी तरह चल रहा है था।

एक दिन अमन के पास इलाज करने के लिए एक औरत आयी। अमन को पता नहीं क्यों, पर फिर भी जब वो औरत इसके पास आया तो उन्हें कुछ अजीब सा महसूस होने लगा। ~~जैसे ही वह औरत को~~ अमन ने उनको बैठने के लिए कहाँ। "~~डॉक्टर~~ आप का तकलीफ़ क्या है?" अमन ने पूछा। "कुछ दिनों से मुझे बुखार है, दवाएँ खा रही हूँ, पर फिर भी चुटकारा नहीं मिल रहा है।" इस औरत ने कहाँ।

"मैंने यह आवाज़ पहले सुना है, पर मुझे नहीं पता कि कहाँ से मैंने यह सुना... जरा मुझे याद करने दीजिए..." ऐसे कहकर अमन का नज़र इस औरत की हाथ पर पड़ गया। "ये अंगूठी तो....." तब अमन को समझ आया कि ये वो लड़की है जिसने अमन को पढ़ाई में मदद किया था। उसने खुशी से पूछा "दीदी आप मुझे पहचाना नहीं? मैं वह वो लड़का हूँ जिसे आपने पढ़ाई में

मदद किया था। याद है आपको? अब वो औरत को भी अमन की समझ आयी। उनकी आँखों से आँसू आयी - "बेटा तुम... अब तू डॉकटर बन गया ?! "हाँ दीदी सब आपकी वजह से है। आपने मुझे पढ़ाई में खूब मदद की, और अब मैं डॉक्टर बन गया। - अमन ने कहाँ। "आपने कहाँ कि आपको बुखार है; हैना? आप फिकर मत कीजिए, मैं आपको दवाई दे रहा हूँ, ठीके?.. आज से पाँच दिनों तक खा लीजिए" - ऐसे बोलकर अमन उस औरत को दवाई देता है। इलाज के बाद अमन पूछता है - "क्या आप मेरे साथ चाय पीने केलिए आएँगी दीदी"? "हाँ ज़रूर बेटा, क्यों नहीं"? औरत ने ऐसे बोलकर हँसी। उसके बाद वे दोनों खुशी से चाय पीने केलिए ~~चले गए~~ निकल पड़े।

ऐसे ही, जो लड़की को अमन रास्ते से मिला, वो लड़की अमन का जीवन ही बदल ~~लिया~~। दिया।